



{1}



61

रा.रा. श्रीमान माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश

ग्वालियर (म. प्र.)

R 4230-PBR/14

दर्यावसिंह पिता हुक्मा जी

उम्र 70 वर्ष, धंधा खेती

निवासी ग्राम रावद तहसील देपालपुर जिला इन्दौर

प्रार्थी

विरुद्ध

1. बिनू पिता नत्थू जी यादव ✓

उम्र 70 साल, धंधा व्यापार

निवासी 237 संवत्नगर इन्दौर

2. प्रहलाद पिता हुक्मा जी

उम्र 68 साल, धंधा खेती

निवासी ग्राम रावद तहसील देपालपुर जिला इन्दौर

गीताबाई पिता हुक्मासिंह जी (PBR) R 11 12 14

उम्र 62 साल, धंधा खेती

निवासी ग्राम रावद तहसील देपालपुर जिला इन्दौर

3. रामीबाई पिता दर्यावसिंह

उम्र 50 साल, धंधा खेती

निवासी ग्राम रावद तहसील देपालपुर जिला इन्दौर

4. नारायण पिता नाथूसिंह

उम्र 60 साल, धंधा खेती

निवासी ग्राम रावद तहसील देपालपुर जिला इन्दौर

5. मोहन पिता नाथूसिंह

उम्र 55 साल, धंधा खेती

निवासी ग्राम रावद तहसील देपालपुर जिला इन्दौर

ओ.पी.शर्मा (एड.)
19/12/14 को

19/12/14

O.P. Sharma
19/12/2014

माननीय राजस्व मण्डल के

ऑफिस नं. 22/2/17 3.

के अनुसार प्रतिपार्थी 3

गीताबाई पिता हुक्मासिंह

के फौज दान के वारिस

बनेसिंह पिता दर्यावसिंह

शाम पिता नत्थू जी

धारा का अर्थ धारा 11/12/14

ओ.पी.शर्मा

Handwritten signature

7. कल्याण पिता नाथूसिंह
उम्र 50 साल, धंधा खेती
निवासी ग्राम रावद तहसील देपालपुर जिला इन्दौर
8. लक्ष्मण सिंह पिता नाथूसिंह
उम्र 48 साल, धंधा खेती
निवासी ग्राम रावद तहसील देपालपुर जिला इन्दौर
9. सोदानसिंह पिता नाथूसिंह
उम्र 45 साल, धंधा खेती
निवासी ग्राम रावद तहसील देपालपुर जिला इन्दौर
10. जादूसिंह पिता जवार सिंह
उम्र 60 साल, धंधा खेती
निवासी ग्राम रावद तहसील देपालपुर जिला इन्दौर
11. पटवारी ग्राम रावद हल्का नं. 34
तहसील देपालपुर जिला इन्दौर

प्रतिप्रार्थी

निगरानी अर्न्तगत धारा 50 मध्यप्रदेश भू-राजस्व

संहिता के तहत

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य-

विद्वान अधीनस्थ न्यायालय श्रीमान् अपर आयुक्त महोदय
इन्दौर संभाग इन्दौर द्वारा द्वितिय अपील प्रकरण कमांक
386/ अपील /2013- 14 में पारित आदेश दिनांक
5/12/14 से असंतुष्ट हो यह निगरानी निम्न एवं अन्य
आधारो पर सादर प्रस्तुत है-

156

दयावसिंह/वीरू

R-4230-PBA/14-5-2018

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभ्यापकों आदि के हस्ताक्षर
16/10/18	<p>आवेदन की ओर से कोई उष्ण नहीं। पूर्व पेशी पर शर्मा दयावसिंह की श्रुत्यु की टीप आदिना की गई थी। अना ^अ आदि की खान्दोष रिपय उष्ण। आवेदन की श्रुत्यु हे जति के कारण प्रकृत आवेद किमा जात्य ही</p> <p style="text-align: right;">अदम्य</p>	